समुद्री पक्षी

[स्रोत:डाउन टू अर्थ]

कर्नाटक के तट के आसपास, पक्षी प्रेमियों द्वारा 2023 में दुर्लभ **"समुद्री (pelagic)"** पक्षियों को देखा गया।

- समुद्री पक्षियों के अलावा, कर्नाटक ने **भूमि आधारित प्रजातियों** पर ध्यान आकर्षित किया है, **न्यू मैंगलोर पोर्ट (New Mangalore Port-NMP)** एक **हरित पत्तन** में बदल रहा है, जिससे पक्षियों की विविधता को बढ़ावा मिल रहा है।

पेलैगकि पक्षयिों के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य क्या हैं?

- **परचिय:**
  - पेलैगकि पक्षी वे पक्षी हैं जो अपने जीवन का **एक बड़ा हस्सिा खुले समुद्र में व्यतीत करते हैं।**
    - वे हज़ारों मील की दूरी पर पाए जा सकते हैं लेकनि तेज़ हवाओं और तूफानों के दौरान ज़मीन पर उड़ सकते हैं। जब वे अंतर्देशीय आते हैं तो उनका एकमात्र समय प्रजनन करना होता है।
- **वशिषताएँ:**
  - ये पक्षी आकार और प्रकार में एक-दूसरे से काफी भन्नि होते हैं, लेकनि**ये सभी खुले पानी वाले क्षेत्र में रहते हैं,** भोजन के लयि **गोता (dive)** लगाते हैं एवं उत्कृष्ट तैराक होते हैं।
  - पेलैगकि पक्षयिों के पंख उल्लेखनीय रूप से **लंबे, पतले** होते हैं, जसिसे वे बनिा आराम कयि लंबी उड़ान भर सकते हैं।
    - कुछ पक्षी उड़ान के दौरान सोते हुए भी कई दनिों या हफ्तों तक हवा में रह सकते हैं।
  - इन पक्षयिों में अद्वतिीय **नमक ग्रंथि होती है, जो समुद्री जल से नमक नकिालती है, और इसे वषिाक्त स्तर तक जमा होने से रोकती** है।
  - वे सतह से दूर तक मछलयिों का पीछा करते हैं और प्लवक के क्रस्टेशयिंस खाते हैं, जो झींगा एवं केकड़ों से संबंधति हैं।
- **उदाहरण:**
  - प्रमुख पेलैगकि पक्षयिों में से एक **लेसन अल्बट्रॉस (Laysan Albatross)** हैं, जो वशिष रूप से हवाई द्वीपों पर प्रजनन करते हैं लेकनि भोजन के लयि पोषक तत्त्वों से समृद्ध प्रशांत महासागर के क्षेत्र में वचिरण करते हैं।
    - पेलैगकि पक्षयिों में सूटी शीयरवाटर (**Sooty Shearwater**), ब्राउन स्कुआ (**Brown Skua**), ब्राउन बूबी (**Brown Booby**), स्ट्रीक्ड शीयरवाटर (**Streaked Shearwater)** और मास्क्ड बूबी, पोमेरनि स्कुआ, आर्कटकि स्कुआ, लॉन्ग टेल्ड स्कुआ, स्वनिहोज़ स्टॉर्म-पेट्रेल, वल्सिन स्टॉर्म-पेट्रेल और अन्य समुद्री वांडरर पेलैगकि भी शामलि हैं।
- **संकट:**
  - मानवीय गतविधियिाँ पक्षयिों के लयि संकट उत्पन्न करती हैं, जनिमें महासागरों के दूरस्थ व उन्मुक्त वातावरण में रहने वाले पक्षी भी शामलि हैं।
  - वशि्व स्तर पर समुद्री पक्षयिों को बड़े संकट का सामना करना पड़ता है, जसिमें स्थलीय नविास और समुद्री कारकों दोनों से उत्पन्न होने वाले घटक शामलि हैं।
    - तेल रसिाव, जलवायु परविर्तन जनति शकिार की उपलब्धता में बदलाव और मछली पकड़ने के जाल इन चुनौतयिों में योगदान करते हैं।
  - पेलैगकि पक्षयिों के जैव-घनत्व में कमी का कारण मछलयिों की जीवसंख्या में गरिावट है, जो संभवतः समुद्री वर्षा जैसे कारक जो मछलयिों को गहन जल में प्रवासन हेतु मजबूर करती है, से प्रभावति हुई है।
  - समुद्री पक्षयिों के लयि प्लास्टकि प्रदूषण एक गंभीर चति का वषिय है, क्योंकि भारी मात्रा में प्लास्टकि महासागरों में नक्षिेपति होता रहता है और सूक्ष्म भागों में वघिटति हो जाता है।
    - पक्षी प्रायः प्लास्टकि के टुकड़ों को शकिार समझकर इसे नगिल लेते हैं जसिसे इन्हें संबंधति स्वास्थ्य जोखमिों का सामना करना पड़ता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pelagic-birds